GRADE-X

SUB- HINDI

TIME : THREE HOURS

ASSESSMENT I

MM- 80

(Answer to this paper must be written on the paper provided separately)

You will not allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

This time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.

This paper comprises of two section- section A and section B .

Attempt all the questions from section A and B

The intended marks for questions or part of questions are given in bracket ( )

SECTION – A (40 MRKS)

(Attempt all questions)

Question 1.

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any one of the following topics :-

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए ।(15)

(I) वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार की काफी अपेक्षा है ल आज की शिक्षा प्रणाली बोझिल दिशाहीन तथा अव्यावहारिक है। उसमें नैतिक मूल्यों का भी अभाव है। शिक्षा के गिरते हुए स्तर के कारणों एवं दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सुझाव देते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(II) आपने हाल ही में कोई फिल्म देखी । वह आपको कैसी लगी? फ़िल्म के कथानक , घटनाक्रम , पात्र , संवाद संगीत एवं उद्देश्य की चर्चा करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(III) ग्रीष्मावकाश में आप अपने परिवार या मित्रों के साथ किसी दर्शनीय स्थान की यात्रा पर गए । इस यात्रा वृत्तांत को शब्दबद्ध करते हुए सारगर्भित प्रस्ताव ।

(IV) 'आम के आम गुठलियों के दाम 'उक्ति पर कोई मौलिक कहानी लिखिए ।

(V) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखें और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा और स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Downloaded From www.icseboard.org

Question 2.

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any one of the topics given below :-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:- (7)

(I) आपके अध्यापक ने अतिरिक्त कक्षा में अनुपस्थित रहने के लिए आप पर जुर्माना लगा दिया है । अपनी परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए जुर्माना माफ करने की प्रार्थना करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए ।

(II) समाज में नशीले पदार्थों के सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता प्रकट करते हुए किसी लोकप्रिय समाचार - पत्र के संपादक के माध्यम से अपने विचार जनसाधारण तक पहुंचाइये।

Question 3.

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow , using your own words as far as possible :- (10)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए ।

प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जीने एक कारखाने में साड़ियां देखते हुए कहा, " साड़ियां तो बहुत बढ़िया है । क्या मूल्य है इनका ? " कारखाने के मालिक ने कहा , " जी ₹800 की है और यह पूरे ₹1200 की है और यह ₹1500 में पड़ेगी ल"

शास्त्री जी ने तुरंत उसके कान में कहा, " यह तो सभी बहुत कीमती हैं । मुझ जैसे गरीब व्यक्ति के लिए कोई कम मूल्य की साड़ी दिखाइए ताकि मैं उसे खरीद सकूं।"

शास्त्री जी के इस भोले उत्तर को सुनकर कारखाने के मालिक ने हंसना शुरू कर। दिया हंसते-हंसते एक क्षण बीत गया तो वह आगे कहने लगा , " वाह सरकार ! गरीब की भी खूब कही आपने ल हुजूर आप तो हमारे प्रधानमंत्री हैं आप पूरे देश के मालिक हैं गरीबी की बात ना करें सरकार यह साड़ियां तो हम आपको भेंट करने वाले हैं। "

" नहीं भाई , मैं आपसे तो क्या ....किसी से भेंट नहीं लेता ल" शास्त्री जी ने गंभीरता पूर्वक कहा ।

" क्यों आप तो हमारे प्रधानमंत्री हैं हमें यह अधिकार है कि हम अपने प्रधानमंत्री को भेंट दे कारखाने ।" कारखाने दार ने ऊंचे स्वर में कहा।

" हाँ, मैं प्रधानमंत्री हूं, परंतु इसका अर्थ कदापि नहीं है कि जो चीज मैं खरीद सकने में असमर्थ हूं , वह भेंट में लेकर अपने पत्नी को पहनाऊँ ल यह ठीक है कि मैं प्रधानमंत्री हूँ, पर हूँ तो गरीब ही । मैं तो अपनी हैसियत की साड़ियाँ खरीदना चाहता हूँ। आप कृपया मुझे कोई सस्ते से दाम वाली साड़ी बताइए, यदि हो तो।"

इस प्रकार रेशम की उत्तम व आकर्षक साड़ियों के कारखाने वाले की सारी विनय अनुनय बेकार सिद्ध हो गई। विवश होकर उसे सस्ते दामों वाली साडियाँ दिखानी पड़ी। उनमें से शास्त्री जी ने अपने घर के लिए साड़ियाँ खरीद ली।

Downloaded From www.icseboard.org

(I) कीमती साड़ियाँ देखकर शास्त्री जी ने क्या कहा?
(II) कारखाने वाला शास्त्री जी को साड़ियाँ किस रूप में देना चाहता था और क्यों?
(III) शास्त्री जी ने कारखाने वाले की इच्छा को क्यों ठुकरा दिया?
(IV) शास्त्री जी ने अंततः कैसी साड़ियाँ खरीद ली।
(V) शास्त्री जी के उत्तर को सुनकर कारखाने के मालिक ने क्यों हँसना शुरू कर दिया तथा उसने बाद में क्या कहा ?

Question 4. (8)

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(I) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए।
भूख घृणा

(II) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।।

उन्नति , पुत्र

(III) विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

इच्छा , साकार

(IV) किसी एक मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य बनाइए।

अपना उल्लू सीधा करना , आकाश से बातें करना

(V) दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए -
क. वे हमारी सहायता करेंगे(भूतकाल में बदलिए)
ख. उन्होंने छोटू का कभी अपमान नहीं किया ('नहीं 'हटाइए)
ग. लड़का धीमी आवाज में मुझसे बोला ('ने 'का प्रयोग कीजिए)

Section –B (40 Marks)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियां)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

Question 5.

'दोनों घंटो साथ बैठते , बातें करते'

1. दोनों शब्द से किस-किस की ओर संकेत है?
2. वे दोनों किस किस के यहां काम करते थे?
3. वे दोनों जिन लोगों के यहां काम करते थे दोनों में कौन सी बात समान थी?
4. किस घटना से स्पष्ट होता है कि दोनों में बहुत ~~मत्व~~ **मित्रता** थी?

Question 6.

Downloaded From www.icseboard.org

' पर सब दिन होत न एक समान।' अकस्मात दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुंह देखना पड़ा।

1. सेठ जी की क्या विशेषताएं थी?
2. गरीबी के कारण सेठ जी को किन किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?
3. बहुत तंगी होने पर सेठानी ने सेठ जी को क्या सलाह दी और क्यों?
4. धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में क्या अफवाह थी?

साहित्य सागर(पद्य)

Question 7.

वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी

ऊंचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,

नीचे चरण तले पड़ नित्य सिंधु झूमता है।

गंगा जमुना त्रिवेणी नदियां लहर रही है

जगमग छटा निराली पग पग पर छहर रही है।

वह पुण्य भूमि मेरी वह स्वर्ण भूमि मेरी।

1. हिमालय की क्या विशेषता है?
2. कवि ने सिंधु के संबंध में क्या कहा है?
3. त्रिवेणी में कौन-कौन सी नदियां होती है?
4. उपर्युक्त पंक्तियों का मूल भाव लिखिए।

Question 8-

राजा के दरबार में जैसे समया पाय।

साईं तहां न बैठिए जहां कोई देय उठाएं।।

जहां को दे उठाए बोले अन बोले रहिए।

हंसिए नहीं हहायबात पूछे ते कहिए।।

कहां गिरिधर कविराय समय सो कीजै कजा।

अति आतुर नहीं हुए बहुरिया अनखैहै राजा।।

1. हमें किस स्थान पर नहीं बैठना चाहिए स्पष्ट कीजिए।
2. 'हंसिए नहीं हाहाय' का क्या अर्थ है?
3. उपर्युक्त कुंडलियों में गिरिधर कविराय ने क्या प्रेरणा दी है?
4. शब्दार्थ लिखिए- तहाँ, कोउ, अनखैहै

Downloaded From www.icseboard.org